कर्मशालाओं के नाम	कर्मचारियों की संख्या
बायलर कर्मशाला (मरम्मत)	601
टेण्डर कर्मशाला	303
ताम्रकार कर्मशाला	159
फिटिंग कर्मशाला	322
पहिया कर्मशाला	252
झलाई कर्मशाला	410
इनर फायरबाक्स कर्मशाला	48
पीतल फिनिशिंग कर्मशाला	418
मशीन कर्मशाला	413
क्रेन / टावर कर्मशाला	249
पीतल और श्वेत धातु ढलाई कारखाना	342
सामान्य लोहा ढलाई कारखाना	427
रेल पथ ढलाई कारखाना	682
इस्पात ढलाई कारखाना	254
पैटर्न कर्मशाला	262
हीट ट्रीटमेंट कर्मशाला	59
डाई सिंकिंग कर्मशाला	105
औजार और सांचा कर्मशाला	227
मशीन टूल रिकंडिशनिंग कर्मशाला	211
डीजल पुर्जा कर्मशाला	104
रोलिंग मिल	109
बोल्ट और नट कर्मशाला	105
गढ़ाई कर्मशाला	213
लोहार कर्मशाला	306
मिलराइट कर्मशाला	1066
ब्रिक कर्मशाला	146
परिवहन कर्मशाला	328
जंजीर कर्मशाला	50
धातुकर्मीय प्रयोगशाला	63
डीजल आवधिक ओवरहाल कर्मशाला	539
विद्युत मरम्मत कर्मशाला	886
बिजलीघर	166

(ख) भाप और डीजल रेल इंजन डुप्लीकेट / सब असेम्बली, माल डिब्बों के पुर्जों, टावर माल डिब्बों, व्हाइटिंग जैकों और क्रेनों जैसी मदों का निर्माण जमालपुर कारखाने में किया जा रहा है।

(ग) जी, हां। कारखाने में इस समय विशेष श्रेणी के प्रशिक्षुओं, प्रशिक्षु मैकेनिकों (डिप्लोमाधारी) और एक्ट प्रशिक्षुओं को को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बरईघाट और महादेवपुर के बीच रेलवे स्टीमरों के चालन का बन्द किया जाना

1524. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे प्राधिकारियों ने बरईघाट और महादेवपुर घाट नाम के दो रेलवे स्टेशनों के बीच गंगा नदी में रेलवे स्टीमरों के चलाये जाने को बन्द कर दिया है; यदि हां, दतो मुंगर और मागलपुर के बीच गंगा नदी पर पुल के निर्माण कार्य के पूरा होने से पहले इस सेवा को बन्द किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ख) क्या यह सच है कि इस सेवा के बन्द किये जाने के कारण हजारों यात्रियों, मवेशियों और माल के आने जाने में अत्यन्त कठिनाई हो रही है और आन्दोलन किये जा रहे हैं तथा इस संबंध में अनेक संसद सदस्यों ने भी लिखा है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) यातायात और आमदनी कम होने तथा परिचालन की अलाभप्रद लागत को देखते हुए 8-7-1986 से रेलवे घाट सेवा बन्द कर दी गयी थी। कुछ संसद सदस्यों ने इसके बारे में लिखा है। लेकिन, रेलवे घाट सेवा को बहाल करने का प्रस्ताव नहीं है, क्योंकि यातायात की आवश्यकतायें पूरी करने के लिये राज्य सरकार से लाइसेंस प्राप्त ठेकेदारों द्वारा परिचालित वैकल्पिक घाट सेवा उपलब्ध है